भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1940
दिनांक 14 दिसम्बर, 2023

कच्चे तेल का बढ़ता आयात

1940. श्री डी.एम. कथीर आनन्द :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है और यह वर्ष 2023 में बारह लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान आयात का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास कच्चे तेल के आयात पर भारतीय रुपये के संदर्भ में भारत द्वारा किए गए कुल व्यय का कोई आंकड़ा है;

(घ) यदि हां, तो विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा उक्त स्थिति से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत में आयातित कच्चे तेल की मात्रा निम्नानुसार है:-

वित्त वर्ष	**मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) में मात्रा**
2020-21	196.5
2021-22	212.4
2022-23	232.7
2023-24 (अप्रैल-अक्टूबर) (अ)	134.4
स्रोत – पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ, (अ) अनंतिम	

पिछले पाँच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत में आयातित कच्चे तेल का मूल्य निम्नानुसार है:-

वित्त वर्ष	**मूल्य (करोड़ रुपए में)**
2018-19	783183
2019-20	717001
2020-21	459779
2021-22	901262
2022-23	1260372
2023-24 (अप्रैल-अक्टूबर) (अ)	623188
स्रोत – पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ, (अ) अनंतिम	

(ङ) तेल सम्बन्धी आयात निर्भरता में कमी लाने के लिए सरकार विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करती है। वर्ष 2014 के बाद से, सरकार ने रिफाइनरी प्रक्रिया में सुधार और उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) व्यवस्था के अन्तर्गत विभिन्न नीतियों, खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति, राष्ट्रीय डेटा रिपॉजिटरी की स्थापना आदि के माध्यम से देश की तेल आयात निर्भरता को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने राष्ट्रीय तेल कंपनियों और निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित किया है और इलेक्ट्रॉनिक एकल पटल व्यवस्था सहित अनुमोदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके कार्यात्मक स्वतंत्रता भी प्रदान की है।

देश में जैव ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने और एथेनॉल मिश्रण, जैव-डीजल मिश्रण और किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प (सतत) पहल के माध्यम से क्रमशः एथेनॉल, जैव-डीजल और जैव-सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निमित्त सरकार ने राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 की शु आत की है। देश ने एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2022-23 में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के अन्तर्गत पेट्रोल में एथेनॉल के औसत 12 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य पहले ही प्रा कर लिया है और केवल वर्ष 2022-23 में ही लगभग 509 करोड़ लीटर पेट्रोल की बचत की है।

****